1 राजस्थान के इतिहास के स्रोत

1. एक स्थान से दूसरे स्थान पर सामान को लाने व ले जाने का अनुमति पत्र क्या कहलाता था?
(1) दस्तक (2) निशान
(3) सनद (4) परवाना (1)

2. अशोक के अभिलेखों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
(1) अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा में हैं।
(2) अधिकांश अभिलेख ब्राह्मी लिपि में हैं
उपर्युक्त कथनों में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?
(1) 1 सही है, 2 गलत है। (2) 1 और 2 दोनों गलत हैं।
(3) 1 और 2 दोनों सही हैं। (4) 1 गलत है, 2 सही है। (3)

3. शिलालेख/प्रशस्ति और उनके वर्ष का कौनसा जोड़ा सही नहीं है?
(1) रसिया की छतरी का लेख – 1274 ई.
(2) गंभीरी नदी के पुल का लेख – 1267 ई.
(3) चीरवा का शिलालेख – 1273 ई.
(4) श्रृंगी ऋषि शिलालेख – 1528 ई. (4)

व्याख्या– श्रृंगी ऋषि शिलालेख 1428 ई. का महाराणा मोकल के समय का है।

4. उस अभिलेख को चिन्हित कीजिए, जो प्राचीन राजस्थान में वैष्णव संप्रदाय की उपस्थिति के साक्ष्य देता है–
(1) कन्सुआ अभिलेख (2) बरनाला अभिलेख
(3) हर्षनाथ मंदिर की प्रशस्ति (4) आहड़ अभिलेख (2)

व्याख्या– बरनाला लेख (जयपुर) 278 ई. का है। इसमें गर्गत्रिराज़ यज्ञ का उल्लेख है इसका संपादन एक भट्ट द्वारा किया गया था। इसके अंत में भगवान विष्णु की आराधना की गई है।

5. 'इकतीसंदा' रुपया राजस्थान की कौनसी टकसाल में बनता था?
(1) सोजत (2) मंडोर
(3) जोधपुर (4) कुचामन (4)

6. निम्नलिखित में से कौनसा अभिलेख चित्तौड़ के प्रारम्भिक इतिहास पर प्रकाश डालता है?
(1) अचलेश्वर का अभिलेख (2) मानमोरी का अभिलेख
(3) बिजौलिया का अभिलेख (4) सामोली का अभिलेख(2)

व्याख्या– यहाँ ये ध्यान रहे कि प्रश्न में चित्तौड़ के प्रारम्भिक इतिहास की जानकारी देने वाले अभिलेख के बारे में पूछा है। सामोली शिलालेख (646ई.) चित्तौड़ के बारे में नहीं बल्कि गुहिल वंश के समय को निश्चित करने तथा उस समय की आर्थिक तथा साहित्यिक स्थिति को जानने के लिए एक महत्त्वपूर्ण लेख है।

7. निम्नलिखित में से कौन–सा मण्डोर के प्रतिहारों के इतिहास की जानकारी देता है?
(1) सामोली अभिलेख (2) घटियाला अभिलेख
(3) बीजापुर अभिलेख (4) अर्थुना अभिलेख (2)

8. राजस्थान में नालियासर, बैराठ तथा नगरी से प्राप्त सिक्के किन राजाओं से संबंधित थे?
(1) हूण (2) गुहिल
(3) यूनानी (4) मुगल (3)

9. वह कौनसा शिलालेख है जिससे ज्ञात होता है कि विग्रहराज चतुर्थ ने दिल्ली को अपने अधीन किया था–
(1) बिजोलिया शिलालेख (2) बोरेश्वर का लेख
(3) किराडू का लेख (4) जालौर का लेख (1)

10. राजपूताना की किस रियासत के सिक्कों पर एक ओर सम्राज्ञी विक्टोरिया का चेहरा और अंग्रेजी में 'विक्टोरिया एम्प्रैस' लिखा होता था और दूसरी और नागरी तथा उर्दू लिपि में महाराजा का नाम लिखा होता था?
(1) बीकानेर (2) जोधपुर
(3) कोटा (4) झालावाड़ (1)

व्याख्या– 1893 ई. में बीकानेर राज्य का अंग्रेजों से सिक्कों के संबंध में एक समझौता हुआ। जिसके तहत अंग्रेजी राज्य में प्रचलित चांदी के सिक्के बीकानेर की टकसाल में ही बनाए जाने लगे।

11. निम्नलिखित में से किस स्थल से इंडो–ग्रीक शासकों के 28 सिक्के प्राप्त हुए हैं?
(1) नगरी (2) बैराठ
(3) नगर (4) रैढ़ (2)

12. दो अभिलेखों से ज्ञात होता है कि मौर्या का सम्बन्ध राजस्थान से था?
(1) कनसवा (कोटा) एवं मानमोरी (चित्तौड़गढ़)
(2) बुचकला (जोधपुर) एवं मंडोर (जोधपुर)
(3) चाटसु लेख (जयपुर) एवं सारणेश्वर (उदयपुर)
(4) हस्तिकुण्डी (पाली) एवं पाणाहेड़ा (बांसवाड़ा) (1)

13. बिजोलिया अभिलेख, नेमिनाथ अभिलेख, घोसुण्डी अभिलेख और बुचकला अभिलेख का आरोही क्रम में सही कालक्रम बताईये?
(1) नेमिनाथ अभिलेख, बिजोलिया अभिलेख, बुचकला अभिलेख, घोसुण्डी अभिलेख
(2) घोसुण्डी अभिलेख, बुचकला अभिलेख,बिजोलिया अभिलेख, नेमिनाथ अभिलेख
(3) बुचकला अभिलेख,नेमिनाथ अभिलेख,घोसुण्डी अभिलेख, नेमिनाथ अभिलेख
(4) घोसुण्डी अभिलेख,बुचकला अभिलेख, नेमिनाथ अभिलेख, बिजोलिया अभिलेख (2)

व्याख्या– घोसुण्डी अभिलेख (दूसरी शताब्दी ई.पू.), बुचकला अभिलेख (815 ई.), बिजोलिया अभिलेख(1170 ई.), नेमिनाथ अभिलेख (1230 ई)

14. 'आबु के अभिलेख' के लेखक कौन है?
(1) योगेश्वर (2) शुभचन्द्र
(3) रत्नप्रभ सूरि (4) पार्श्वचन्द्र (2)

Dhindhwal Publication

व्याख्या– इस लेख को अचलेश्वर का लेख (1285 ई.) भी कहा जाता है। यह अचलेश्वर के मंदिर के पास वाले मठ के एक चौपाल की दीवार में लगा है। इस प्रशस्ति का रचयिता वेद शर्मा है। इसका लेखक शुभचन्द्र और उत्कीर्णकर्ता कर्मसिंह सुत्रधार है।

15. किस स्थल से शासक मिनेण्डर के 16 सिक्के प्राप्त हुये हैं?
(1) आहड़ (2) रैढ़
(3) बैराठ (4) नालियासर (3)

16. राजस्थान में फारसी भाषा का सबसे प्राचीन अभिलेख किस जिले में है?
(1) अजमेर (2) नागौर
(3) चित्तौड़गढ़ (4) भीलवाड़ा (1)

व्याख्या– अजमेर का लेख (1200 ई.)– यह लेख अजमेर में अढ़ाई दिन के झोंपड़े के दूसरे गुम्बद की दीवार के पीछे लगा है। यह राजस्थान में फारसी भाषा का सबसे पुराना लेख है।

17. मुद्रा और राज्य का कौनसा एक युग्म सुमेलित नहीं है?
(1) लक्ष्मणशाही– बांसवाड़ा (2) विग्रोपक– चौहान
(3) विजयशाही– बीकानेर (4) डोडिया– जैसलमेर (3)

18. गधिया सिक्के किस राज्य से संबंधित थे?
(1) मारवाड़ (2) मेवाड़
(3) जयपुर (4) बीकानेर (2)

व्याख्या– हूणों द्वारा प्रचलित चांदी और तांबे के सिक्के जिन्हे 'गधिया मुद्रा' कहा जाता था, मेवाड़ के कई स्थानों से प्राप्त होते हैं। वेब के अनुसार यह मुद्रा फारस के बादशाह बहराम द्वारा प्रचलित की गई थी और धीरे–धीरे इसका स्वरूप 'गधिया' मुद्रा में परिणत हो गया। ये मुद्राएं मेवाड़ में ही नहीं बल्कि नरबद, रैणी, सिरोही, त्रिभुवनगिरी आदि कई स्थानों पर चलती रही, जिनका उल्लेख फेरू ने भी किया है। स्रोत– राजस्थान के इतिहास के स्रोत (गोपीनाथ शर्मा) पेज– 25, 26

मारवाड़– मारवाड़ में अनेक तांबे के सिक्के भी मिलते हैं, जिनका प्रचलन गुर्जर प्रतिहारों के द्वारा किया गया था। इन राजा के अर्द्ध शरीर का चिह्न तथा यज्ञकुण्ड बना रहता है। परन्तु ये अस्पष्ट चिह्न गधे के मुंह जैसा दिखाई देता है। ये सिक्के 11वीं व 12 वीं शताब्दी तक प्रचलित रहे परन्तु पीछे से इनको तौल के रूप में काम लिया जाने लगा। स्रोत– राजस्थान के इतिहास के स्रोत (गोपीनाथ शर्मा) पेज– 24

19. प्रतापगढ़ शिलालेख (946 ई.) में किस राजवंश के शासकों की नामावली व उपलब्धियों का वर्णन मिलता है?
(1) हाड़ा चौहान (2) प्रतिहार
(3) परमार (4) गुहिल (2)

20. सारणेश्वर (सांडनाथ) प्रशस्ति का संबंध किस जिले से है?
(1) पाली (2) सिरोही
(3) उदयपुर (4) चित्तौड़गढ़ (3)

21. शिलालेख व शासकों का निम्नलिखित में कौन सा युग्म सही नहीं है?
(1) घोसुण्डी शिलालेख– सर्वतात
(2) हर्षनाथ के मंदिर की प्रशस्ति– विग्रहराज द्वितीय
(3) घटियाला के शिलालेख– कक्कुक
(4) राजप्रशस्ति– केल्हनदेव (4)

22. निम्न में से किस लेख में वागड़ के परमारों की धनिक से लेकर मंडलीक तक की वंशावली दी गई है, इसमें पाणाहेड़ा का नाम 'पांशुलाखेटक' दिया गया है?
(1) हस्तिकुण्डी शिलालेख (2) इंगनौड़ा का लेख
(3) पाणाहेड़ा का लेख (4) नाडलाई का लेख (3)

23. सुंधा पर्वत अभिलेख के संबंध में निम्न में से असत्य कथन है?
(1) यह अभिलेख 1362 ई. का है।
(2) इसके प्रशस्तिकार जैन साधु जयमंगलाचार्य थे।
(3) इसमें चाचिगदेव चौहान के बारे में जानकारी मिलती है।
(4) इसके अनुसार समरसिंह ने जालौर में गढ़ का निर्माण करवाया और समरपुर की स्थापना की। (1)

व्याख्या– यह अभिलेख 1262 ई. का है।

24. पदराड़ा का लेख मेवाड़ के किस महाराणा के समय का है?
(1) कुम्भा (2) राजसिंह
(3) प्रताप (4) सांगा (1)

व्याख्या– 1433 ई. का यह लेख कुम्भाकालीन लेखों में सबसे प्रथम लेख है। इसमें पदराड़ा का नाम 'पाटकेपद्र' लिखा है।

25. कीर्तिस्तम्भ प्रशस्ति के बारे में निम्न में से असत्य कथन है?
(1) इस प्रशस्ति में कुंभा के वर्णन में उल्लिखित है कि वह माडव्यपुर से हनुमानजी की मूर्ति लाया था।
(2) यह लेख महाराणा मोकल के समय का है।
(3) मालवा और गुजरात की सम्मिलित सेनाओं को परास्त करने का वर्णन मिलता है जो अन्यत्र नहीं मिलता।
(4) अंत की पंक्तियों में प्रशस्तिकार महेश भट्ट का वर्णन मिलता है। (2)

26. निम्न में से किस शिलालेख में राणा हम्मीर को 'विषमघाटी पंचानन' कहा गया है?
(1) कुम्भलगढ़ का शिलालेख (2) कीर्तिस्तम्भ प्रशस्ति
(3) रसिया की छतरी का लेख (4) समाधीश्वर लेख (1)

व्याख्या– यहाँ ये ध्यान रहे माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10 की पुस्तक 'राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति' के पेज नंबर 9 पर उपलब्ध वर्णन के अनुसार राणा हम्मीर को ये संज्ञा 'कीति स्तम्भ प्रशस्ति' में दी गई है। जो कि गलत है।
प्रमाण– हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की पुस्तक 'राजस्थान के इतिहास के स्रोत' (गोपीनाथ शर्मा) के पेज नंबर 149 के अनुसार हम्मीर को विषमघाटी पंचानन कुम्भलगढ़ के शिलालेख में कहा गया है।

27. धाईबी पीर की दरगाह का लेख (1325 ई.) किस जिले से प्राप्त हुआ है?
(1) चित्तौड़गढ़ (2) उदयपुर
(3) जालौर (4) अजमेर (1)

28. फारसी भाषा के लेख व उनके जिलों का निम्न में से असंगत युग्म है?
(1) शाहजहाँनी मस्जिद का लेख– अजमेर
(2) बरबंद का लेख– भरतपुर
(3) बड़ी खाटू का लेख– नागौर
(4) कनाती मस्जिद का लेख– जालौर (4)

29. मालवगण के सर्वाधिक सिक्के राजस्थान के किस भाग से मिले हैं?
(1) पूर्वी राजस्थान (2) पश्चिमी राजस्थान
(3) दक्षिणी राजस्थान (4) उत्तरी राजस्थान (1)

30. निम्न में से किस स्थान से 6000 तांबे के सिक्के मिले हैं, माना जाता है कि इस स्थान पर मालव गण की टकसाल रही होगी?
(1) सांभर (2) नगर
(3) नोह (4) बैराठ (2)

31. गंगाशाही सिक्के किस रियासत में प्रचलित थे?
(1) प्रतापगढ़ (2) बीकानेर
(3) भरतपुर (4) जोधपुर (2)

32. जो पत्र राजा द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को भेजे जाते थे, वे .....कहलाते थे।
(1) परवाना (2) दोवर्की
(3) फरमान (4) खरीता (1)

33. राज प्रशस्ति के रचियता थे?
(1) रणछोड़ भट्ट (2) करणीक
(3) कान्हा व्यास (4) दामोदर (1)

34. बिजौलिया शिलालेख किस वर्ष का है–
(1) 973 ई. (2) 1170 ई.
(3) 1230 ई. (4) 1267 ई. (2)

व्याख्या– यह लेख बिजौलिया के पार्श्वनाथ मन्दिर की उत्तरी दीवार के पास एक चट्टान पर उत्कीर्ण है। जिसको दिगम्बरी जैन श्रावक 'लोलाक' ने मन्दिर और कुण्ड निर्माण की स्मृति में लगवाया था।

35. जेम्स प्रिंसेप द्वारा पंचमार्क सिक्को को 'आहत मुद्रा' नाम कब दिया गया ?
(1) 1631 ई. (2) 1835 ई.
(3) 1840 ई (4) 1935 ई. (2)

36. कर्नल टॉड के अनुसार जयपुर के किस शासक ने अपनी प्रेमिका रसकपूर के नाम के सिक्के भी बनवाए थे?
(1) सवाई जयसिंह (2) जगतसिंह द्वितीय
(3) मानसिंह प्रथम (4) माधोसिंह द्वितीय (2)

37. अर्थुना के शिव मंदिर की प्रशस्ति में किस रियासत के शासकों का अच्छा वर्णन दिया गया है?
(1) बूंदी के चौहान (2) शाहपुरा के गुहिल
(3) मेवाड़ के गुहिल (4) वागड़ के परमार (4)

38. जालौर का लेख, जो जालौर दुर्ग के तोपखाने की इमारत की उत्तरी दीवार में लगा है किस वर्ष का है?
(1) 1118 ई. (2) 1311 ई.
(3) 1103 ई. (4) 1256 ई. (1)

व्याख्या– इससे जालौर शाखा के परमारों की जानकारी मिलती है। इसमें परमारों की उत्पति वशिष्ठ के यज्ञ से होना अंकित है।

39. चित्तौड़गढ़ का कुमारपाल का शिलालेख किस वर्ष का है?
(1) 1050 ई. (2) 1150 ई.
(3) 1250 ई. (4) 1350 ई. (2)

40. चौहान शासक विग्रहराज चतुर्थ द्वारा रचित किस नाटक को अढ़ाई दिन के झौपड़े की दीवारों पर लिखा हुआ है?
(1) हरिकेली (2) बीसलदेव रासो
(3) ललित विग्रहराज (4) सुर्जन चरित्र (1)

Dhindhwal Publication